CHAPTER 7, नए की जन्म कुंडली : एक
PAGE 88, अभ्यास

11:7:1: प्रश्न-अभ्यास:1

1. लेखक ने कविता को हमारी भारतीय परंपरा का विचित्र परिणाम क्यों कहा है?

उत्तर- लेखक ने अपनी कविता को भारतीय परंपरा का विचित्र परिणाम इसलिए कहा है क्युकी कवि वर्ग अपने मन में आने वाले सभी विचारो को बहुत ही गंभीरता से लेते है । कवि के दो महत्वपूर्ण स्वाभाविक तत्व के रूप में धुप तथा हवा मिली है। कविता लिखने के समय कवि आंतरिक यात्रा करने के लिए अपनी सभी इन्द्रियों का प्रयोग करता है। वह कविता के माध्यम से स्वंम के विचारों को समाज के सामने प्रकट करता है।

11:7:2: प्रश्न-अभ्यास:2

2. 'सौंदर्य में रहस्य न हो तो वह एक खूबसूरत चौखटा है।' व्यक्ति के व्यक्तित्व के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- यह बात सत्य है की वह सौंदर्य सिर्फ एक खूबसूरत चौखटा होता है जिसमे कोई रहस्य नहीं होता है। उस सौंदर्य में कोई आकर्षण नहीं होता है जिस्मेर कोई रहस्य नहीं होता है। सौंदर्य के अंदर रहस्य का भाव ही आकर्षण पैदा करता है। लेखक कागज के माध्यम से इस वाक्य को समझते है। लेखक कहते है की यदि कागज पे मर्मवचन लिखा ही न हो तो उसके सौंदर्य में रहस्य नहीं रहता है । रहस्य सौंदर्य का प्रभाव बढ़ता है तथा उसमे रूचि उत्पन्न करता है।

11:7:1: प्रश्न-अभ्यास:3

3. सामान्य-असामान्य तथा साधारण-असाधारण के अंतर को व्यक्ति और लेखक के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- पहला लेखक व्यक्ति को असाधारण तथा असामान्य मानता है । वह कहता है की जो मनुष्य अपने एक विचार या कार्य के लिए अपनों को त्याग सकता है वह असामान्य तथा असाधारण व्यक्ति है । वह अपने उग्र विचारो से सहमत होने का साहस रखता है। साधारण लोग ऐसे मनोबल नहीं रख पाते । वे लोग संसार में समझौता कर लेते है और एक ही तरह का जीवन जीने लगते है ।

दूसरा लेखक स्वंम को साधारण व्यक्ति मानता है । वह कहता है की वह अपने मित्रं के भांति कुछ नहीं कर सका। उसने अपने मन में आने वाले ख्यालो को कभी पूरा नहीं किया। वह अपने उग्र विचारो को पूरा नहीं कर पाया । आज वह समाज

में एक इज़्ज़तदार व्यक्ति है परन्तु वह कभी अपने मित्र की भांति जीवन नहीं जी पाया ।

11:7:1: प्रश्न-अभ्यास:4

4. 'उसकी पूरी जिंदगी भूल का एक नक्शा है।' इस कथन द्वारा लेखक व्यक्ति के बारे में क्या कहना चाहता है?

उत्तर- 'उसकी पूरी जिंदगी भूल का एक नक्शा है।' इस कथन से लेखकवह एक ऐसे व्यक्ति के जीवन को दर्शाता है जिसने अपने जीवन में बहुत प्रयास किये है लेकिन वो सफल न हो कर हर बार वह असफल रहा । व्यक्ति अपने जीवन में छोटे छोटे सफलता के लिए बहुत कोशिश कोशिश की परन्तु वह उसे कभी मिली नहीं। खुद को हर बार असफल होने के घटनाक्रम से व्यक्ति के जीवन में विषाद भर गयी। लेखक इस विषाद को सही नहीं मानता है । लेखक के अनुसार व्यक्ति द्वारा प्रयास में किये

गए भूल उसके सफल न होने की कहानी है। वह सफल नहीं हुआ तो क्या हुआ उसके संघर्षो को अनदेखा नहीं किया जा सकता है । अधिकतर लोग असफल होने के डर से प्रयास भी नहीं करते है जबकि उसने बार बार गिरने के बावजूद भी प्रयास किया है । वह असफलता से डरा नहीं बस निरंतर प्रयास करता रहा । वह व्यक्ति अपने आप में श्रेष्ट है ।

11:7:1: प्रश्न-अभ्यास:5

5. पिछले बीस वर्षों की सबसे महान घटना संयुक्त परिवार का ह्रास है- क्यों और कैसे?

उत्तर- पिछले २० वर्षो में सयुंक्त परिवार का ह्रास जैसी बड़ी घटना भारत में हुयी है। सयुंक्त परिवार समाज की मूलभूत आवश्यकता है। किसी भी व्यक्ति की सर्वप्रथम शिक्षा,संस्कार,विकास,चरित्र का विकास इत्यादि परिवार के मध्य रहकर ही

होता है । परन्तु वर्तमान समय में यह ख़त्म हो रहा है और इसके परिणाम हमे दिखाई दे रहे है। सयुंक्त परिवार के ख़त्म होने से मनुष्य को सामाजिक स्तर पे नुक्सान हो रहा है। लेखक कहते की राजनितिक तथा साहित्यक तौर पे ऐसा कोई योजना या साधन नहीं विक्सित किया गया जिस से सयुंक्त परिवार के विघटन को रोका जा सके । अगर ऐसे ही क्रम से देश को नुकसान होगा । इन सबके कारन ही लेखक के अनुसार पिछ्ले २० वर्षो की सबसे महत्वपूर्ण घटना सयुंक्त परिवार ख़त्म होना है ।

11:7:1: प्रश्न-अभ्यास:6

6. इन वर्षों में सबसे बड़ी भूल है, 'राजनीति के पास समाज-सुधार का कोई कार्यक्रम न होना' – इस संदर्भ में आप आपने विचार लिखिए।

उत्तर- लेखक की बात पूर्ण रूप से सार्थक है। वर्तमान में राजनीति के पास समाज के विकास के लिए कोई योजना नहीं है । इस देख में राजनीती ने बस समाज में भेदभाव और ज़हर घोलने का ही कार्य किया है। जातिवाद, आरक्षण और अन्य सामाजिक विकार राजनीती के कारण ही समाज में व्याप्त है। इस देश की राजनीती की ये सबसे बड़ी भूल है। अगर इस देश की राजनीती ने विकास का कार्य किया होता तो आज ये स्थिति नहीं होती ।

11:7:1: प्रश्न-अभ्यास:7

7. 'अन्यायपूर्ण व्यवस्था को चुनौती घर में नहीं, घर के बाहर दी गई।' – इससे लेखक का क्या अभिप्राय है?

उत्तर- इस वाक्य से लेखक ये कहना चाहता है की एक व्यक्ति के अन्याय घर के अंदर तथा बहार दोनों जगह हो सकता है । लेकी जब अन्याय के

खिलाफ लड़ने की बात होती है तो वह व्यक्ति अपने घर के अन्याय के खिलाफ नहीं लड़ पाता क्यों की उसे अपने घर में सभी अपने लगते है और वो सोचता है की इनके खिलाफ लड़ना यानि खुद से लड़ना होगा ।

लेकिन जैसे ही अन्याय बहार होता है वह लड़ने के लिए तैयार हो जाता है वह उस अन्याय का विरोध करने के लिए डट के शक्ति पूर्वक खड़ा हो जाता है।

11:7:1: प्रश्न-अभ्यास:8

8. जो पुराना है, अब वह लौटकर आ नहीं सकता। लेकिन नए ने पुराने का स्थान नहीं लिया। इस नए और पुराने के अंतर्द्वंद्व को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- इस नए और पुराने के अंतर्द्वंद्व बिल्कुल ही एक दुसरे के विपरीत है इस संसार का नियम है की जो पुराना हो चूका है वो नया बन कर कभी

वापस नहीं आता है। लेखक के कहने का तात्पर्य यह है की पुरानी विचार, परम्पराये इत्यादि समाज में दिखाई तो देती है परन्तु ये सब मात्र अवशेष के ही रूप में शेष रह गयी है । अब नयी सोच और परम्पराये ,विचार उनकी जगह ले रहे है। लेकिन देखने लायक बात ये है की ये जो नए विचार तथा परम्पराये है ये पुराने परम्पराओ का स्थान नहीं ले रहे है बल्कि ये अपनी एक अलग जगह बना रहे है। लोक अपनी पुरानी संस्कृति को भूल कर आधुनिकता को अपना रहे है पुराणी सभ्यताओ को रूडिवादी करार कर दिया गया है जो पुराना है वह अपना अस्तित्व ढूंढ रहा है नया उसे तनिक भी अपनाना नहीं चाहता है।